COLLEGE NAME - SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS Edu
AT- KRINDIH, KUMAHU, SASARAM (ROHTAS)

CLASS - B. Ed (1st Y)

PAPER - C-05

UNIT - 03

TEACHER By - PRABHAKAR SAHU.

DATE - 27 MAY 2020

⇒ Write Short notes (

1. मैकाले मिनट्स :-

भारत के गवर्नर जनरल के कार्यालय समिति के प्रथम ब्रिटिश सदस्य के रूप में सन् 1834 ई० में मैकाले भारत आये। उस समय भारत में किस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था हो उसके ऊपर वाद - विवाद चल रहा था, कि तत्कालिन गवर्नर जनरल ने मैकाले से शिक्षा व्यवस्था के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट माँगा। मैकाले के इसी रिपोर्ट को मैकाले प्रतिवेदन के नाम से भी जाना जाता है। मैकाले ने इस संदर्भ में ब्रिटिश सदस्य के रूप में अपना विचार प्रस्तुत किया कि 1813 ई० के अधिकार पत्र भारत में किस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था का आदेश दिया गया, उसके आलोक में मैकाले ने अपना प्रतिवेदन 2 फरवरी 1835 को गवर्नर जनरल विलियम बैंटिंग को दिया। उन्होंने अपने प्रतिवेदन में विदेशी भाषा को विशेष महत्व दिया, भारतीय भाषा की उपेक्षा की उन्होंने भारतीय धार्मिक एकता को नष्ट करने का प्रयास किया।

P.T.O

Scanned with CamScanner

भारतीयों की शिक्षा का माध्यम उनकी मातृभाषा नहीं हो सकती तथा भारतीय को अंग्रेजी पढ़ना चाहिए।

उपरोक्त विवेचनाओं से यह स्पष्ट होता है की भारतीय शिक्षा के विकास में मैकाले का प्रतिवेदन एक बाधक तत्व बना लेकिन इस सच्चाई को भी हम नहीं नकार सकते कि शिक्षा की आधुनिक रूपरेखा को भारत में सर्व प्रथम मैकाले ने किया। मैकाले ने भारतीयों के लिए पश्चात्य ज्ञान विज्ञान का दरवाजा खोला। अंग्रेजी शिक्षा के परिणाम स्वरूप ही भारत में राजनितिक जागृति पैदा हुई।

इसके परिणामस्वरूप सभी भारतीय एकता के सूत्र में बंध गये और आगे चलकर भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी मिली।

---

2. 1813 ई॰ के अधिकार पत्र :-

1813 ई. ~~शिक्षा~~ के अधिकार पत्र में शिक्षा के प्रति अंग्रेजी सरकार की उदासीन शिक्षा नीति जगजाहिर थी, जिसकी प्रतिक्रिया के परिणाम स्वरूप अंग्रेजी सरकार बाध्य होकर 1813 ई॰ में एक अधिकार पत्र निकाला जिसे 1813 के अधिकार पत्र के नाम से जाना जाता है। इस अधिकार पत्र में शिक्षा के प्रसार के संबंध में यह कहा गया कि जो लोग भारत मे शिक्षा प्रसार और प्रचार करना चाहते हैं उन्हें ~~काम~~ इन सब के लिए कानुन के द्वारा पूरी सुविधाएँ दी जाएगीं।

भारत के गर्वनर जनरल का यह कर्तव्य है कि वह प्रति वर्ष कम से कम एक लाख रुपये साहित्य के पुनः उद्धार तथा विज्ञान के विकास एवं भारतीयों के प्रोत्साहन, शिक्षा के प्रसार के लिए खर्च करें।

1813 ई॰ के इस निर्णय के द्वारा अधिकार पत्र ने एक ~~लम्बे~~ लम्बे समय के संघर्ष को समाप्त किया। जो लगभग 20 वर्षों से चला आ रहा था।

Scanned with CamScanner

पहले निर्णय के अनुसार धर्म प्रचारकों की मांग स्वीकृत हुई तथा दूसरे निर्णय के द्वारा East India Comany के ऊपर शिक्षा का उत्तरदायित्व सौंपा गया, जिसका उद्देश्य था East India Company भारत में शिक्षा की व्यवस्था करे। इसके साथ ही इस अधिकार पत्र के द्वारा भारत में अंग्रेजी शिक्षा की जड़ मजबुत हुई। अधिकार पत्र में धर्म प्रचारकों के लिए भारत का दरवाजा पूर्णतः खोल दिया गया। जिसके परिणामस्वरूप वो अंग्रेजी शिक्षा के विकास एवं अपने धर्म के प्रचार के लिए अनेकों अंग्रेजी विद्यालय की स्थापना की। जिससे भारत में एक विविक्त शिक्षण प्रणाली की शुरुआत हुई। जिसके आधार पर प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालय की स्थापना हुई तथा उसके अनुसार महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय की स्थापना की गयी जिससे भारत में शिक्षा व्यवस्था की नींव मजबुत हुई।

=

Scanned with CamScanner